परामर्श प्रमुख

श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन
अहमदाबाद

श्री कैलाशचंदजी जैन
झाँसी

डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत, 9837043221
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली, 9412678256
प्रधान संपादक
राजेन्द्र जैन ''बागो'', 9424013136
सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884
कोषाध्यक्ष –
सुधेश कुमार जैन, 9827254111
प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलंचद जैन, 9329524227
(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक अपना संक्षिप्त परिचय सपत्नीक फोटो सहित एवं संरक्षक तथा विशेष सहयोगी सदस्य अपना संक्षिप्त परिचय फोटो सहित भेजे ताकि प्रकाशन किया जा सके।

संरक्षक सदस्य
श्री एस.के. जैन, भोपाल

आजीवन सदस्य
श्री राजकुमार जैन, मक्सी

यदि आपको गोलालारीय दर्शन पत्रिका प्राप्त नहीं हो रही है तो अपने शहर के क्षेत्रीय प्रतिनिधियों से संपर्क कर पत्रिका प्राप्त करें।

शेष क्षेत्रीय प्रतिनिधियों की सूची आगामी अंकों में...

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	21000/–
परम संरक्षक (अ.जा.)	11000/–
संरक्षक (अ.जा.)	5100/–
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	2100/–
आजीवन शुल्क (अ.जा.)	1100/–
सहयोग राशि	500/–

आप 'गोलालारीय दर्शन' के बैंक खाते में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रं. 63048875855 IFSC: SBIN0003134 में जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी के साथ अपना नवीन पासपोर्ट साईज फोटो मय जानकारी के कार्यालय पते पर अवश्य भेजें ताकि आपको रसीद भेज कर आपका विवरण प्रकाशित किया जा सके।
नोट – 8 मार्च 2014 से अन्य शहरों से जमा की जाने वाली राशी पर बैंक शुल्क न्यूनतम 50 रु. कर दिया है।
अत: बायोडाटा शुल्क चेक द्वारा पत्रिका के पते पर भेजे।

विज्ञापन शुल्क (B&W)

अंतिम पेज	6000/–
फुल पेज (अंदर)	5000/–
1/2 पेज	3000/–
1/4 पेज	1500/–
मांगलिक बधाई फोटो सहित	1000/–
शोक संदेश फोटो सहित	500/–
बॉयोडाटा फोटो सहित	150/–

नववर्ष का स्वागत टिफीन पार्टी से

अनुपमा जैन, रेशु जैन, इन्दौर। गोलालारीय समाज की महिला इकाई स्तुति महिला मंडल ने नववर्ष का स्वागत इन्दौर के प्रसिद्ध रीजनल पार्क में टिफिन पार्टी का आयोजन कर किया। सभी महिलायें उत्साह एवं उमंग के साथ रीजनल पार्क पहुंची, जहां ग्रुप की अध्यक्षा श्रीमती किरण फणीश ने सबका अभिनंदन किया। प्रारंभिक नाश्ते के पश्चात सचिव श्रीमती भारती जैन ने मनोरंजक और कौशलयुक्त खेलों का संचालन किया जिसमें महिलाओं ने भाग लेकर भरपूर लुत्फ उठाया। इनमें प्रथम पुरस्कार एवं द्वितीय पुरस्कार का वितरण कार्यक्रम स्थल पर किया गया। तत्पश्चात सभी महिलाओं ने झील में बोटिंग का आनंद लिया। शाम को टिफीन पार्टी में सभी सदस्यों ने घर से बनाकर लाये विविध सुस्वादु व्यंजनों का लुत्फ उठाया। इस प्रकार की टिफिन पार्टीयां परस्पर सौहार्द्र और आत्मीयता का वातावरण निर्मित करती ही है और साथ ही कुछ नया सीखने का अवसर भी प्रदान करती है। सभा के अंत में सचिव ने सभी का आभार प्रकट किया।

नवनिर्माणाधीन 'जैन भवन' का शिलान्यास संपन्न

श्रेयांस धर्मसैया, अहमदाबाद। प्राचीन श्री 1008 संभवनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, गोमतीपुर अहमदाबाद के परा विस्तार का प्रथम मंदिर जो अहमदाबाद की दिगम्बर जैन समाज का गौरव भी है। अहमदाबाद के जितने भी मंदिर दिगम्बर समाज के द्वारा स्थापित या संचालित है उसमें यह मंदिर भव्यता को छूने वाला है। परा विस्तार के सभी मंदिरों का मूल प्राचीन गोमतीपुर मंदिर के साथ जुड़ा हुआ है। यह मंदिर अहमदाबाद में सर्वप्रथम आये हमारे बुजुर्गों का स्मरण कराने वाला है। अत: इस धरोहर को उत्तरोत्तर प्रगतिशील बनाना हमारा कर्त्तव्य ही नही हमारा धर्म भी है। इस मंदिर में अतिशीघ्र निर्मित होने वाला जैन भवन हमारे धार्मिक क्रियाकलापों का केन्द्र बनेगा। जिसे हम अपना कहकर गौरव का अनुभव कर सकेंगे।

अपने पूर्वजों की विरासत, समाज की धरोहर के वैभव को, कला संस्कृति को, कुछ अपनापन पाने बनाने हेतु हम सहभागी बनकर अपने सपनों को साकार करें। निर्ग्रन्थ भट्टारक आचार्य बालयोगी 108 श्री जयसागरजी महाराज के सानिध्य में 27 फरवरी 2014 को भव्य शिलान्यास महोत्सव सानंद संपन्न हुआ जिसके प्रतिष्ठाचार्य बा.ब्र.पं. श्री ऋषभकुमारजी शास्त्री, नागपुर रहे।

जैन भवन बनाने की आवश्यकता – गुजरात में सिद्धक्षेत्र श्री गिरनारजी, श्री पालीताणा, श्री पावागढ़, श्री तारंगाजी, अतिशय क्षेत्र श्री महुवाजी, श्री उमताजी, श्री देरोलजी है। अहमदाबाद–गांधीनगर में कई अद्वितीय दर्शनीय स्थल जैसे अक्षरधाम, सनसेट सिनेमा, रिवरफ्रंट, जहां भारत वर्ष से धर्मप्रेमियों के आवागमन का ताँता लगा रहता है। कहीं से भी दर्शनार्थी आयें उन्हें अहमदाबाद स्टेशन पर ही उतरना पड़ता है। उन्हें ठहरने, भोजनादि के लिए देवदर्शन व सुरक्षित सुविधायुक्त स्थान न मिलने पर उन्हें घोर निराशा होती है। यह हम सभी ने महसूस किया – इस सुविधा को परिपूर्ण करने हेतु ''जैन भवन'' बनाने की तीव्र आवश्यकता है।

जैन भवन के लाभ – * समस्त मुनिगण, संघ आदि के ठहरने की व्यवस्था * उच्चतम अध्ययन हेतु विद्यार्थियों को रहने की सुविधा * व्यवसायिक लोगों को ठहरने की उत्तम सुविधा * इलाज हेतु बाहर से पधारने वालों को निवास की सहूलियत।

सामाजिक कार्यों में उपयोगी – * वैवाहिक कार्यक्रमों की संपन्नता * दु:खद प्रसंग पर एकत्र होने का स्थान * मंदिरजी व सामाजिक मीटिंग का एक स्थान * धार्मिक शिक्षण व शिविर की सुविधा।

इस योजना को पूरा करने में 1 से 1.50 करोड की राशि खर्च होने का अनुमान है, समाजजनों से सादर अनुरोध है कि वे आर्थिक सहयोग प्रदान कर इस सामाजिक जैन भवन को बनाने में मदद करें।

पार्श्वनाथ सहकारी साख संस्था मर्यादित इन्दौर

16 महारानी रोड, 64, न्यू देवास रोड, इन्दौर

साधारण सभा की सूचना

गोलालारीय समाजजनों के हितार्थ भारत की प्रथम सहकारी साख संस्था की साधारण सभा दि. 30 मार्च 2014 को दोपहर 12.30 बजे श्री गोलालारीय समाज न्यास भवन, 64 न्यू देवास रोड पर आयोजित की गई है। जिसमें सदस्यों की आर्थिक उन्नति के लिये विचार विमर्श पश्चात आवश्यक निर्णय लिये जावेंगे। सदस्यों को साधारण सभा की सूचना नियमानुसार डाक द्वारा पृथक से भेजी जा रही है।

अध्यक्ष – विजयकुमार जैन

संचालक मंडल – राजेन्द्र कुमार जैन 'सायकलवाले', श्री बसंत कुमार जैन, श्रीमती शशि राजेन्द्रकुमार जैन, सुश्री कल्पना जैन, श्री अरुण जैन, श्री सुधेश जैन, श्री संजय जैन तुकोगंज, श्री राजेन्द्र जैन 'बागो'

अनुरोध – सदस्यों से निवेदन है कि वे समय पर पधारकर संस्था विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान देवें।

प्रथम बार श्रमणाचार्य 108 श्री विरागसागरजी का ससंघ आगमन

कन्छेदीलाल जैन, विदिशा। विदिशा नगर के इतिहास में श्रमणाचार्य श्री विरागसागरजी का ससंघ आगमन दि. 17 दिसम्बर को अरिहंत विहार मंदिर में हुआ। आचार्यश्री की अगवानी हेतु नगर को दुल्हन की तरह सजाया गया। आचार्यश्री की अगवानी मनोहर टॉकीज के पास सकल दि. जैन समाज द्वारा की गई, वहीं से आचार्य श्री को ससंघ बैंड–बाजों के साथ नगर के विभिन्न मार्गों से अपार जन सैलाब के साथ भव्य आगमन कर स्थान –स्थान पर आचार्यश्री के पाद प्रक्षालन एवं आरती करते हुए श्रावकगण आशीष प्राप्त कर अपने को भाग्यशाली मान रहे थे।

विशाल जुलूस के साथ आचार्यश्री अरिहंत विहार मंदिर में पहुंचे। प्रतिदिन दोनो समय श्रावकों को उपदेश सुनने को मिला। आचार्यश्री ने ससंघ विदिशा के सभी जैन मंदिरों के दर्शन किए। दि. 24 दिसम्बर को उनका अंतिम प्रवचन श्री महावीर दि. जैन मंदिर प्रांगण में हुआ जिसमें अपार जनसमूह उपस्थित था। शाम को 3 बजे अरिहंत विहार मंदिर से आचार्यश्री ने विहार किया, जिस पर श्रावकों की आंखे नम हो गई।

नव श्रृंगारित श्री महावीर दि. जैन मंदिर की प्रथम वर्षगांठ

कन्छेदीलाल जैन, विदिशा । परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनिश्री प्रशांत सागरजी महाराज एवं मुनिश्री निर्वेग सागरजी महाराज का भोपाल चातुर्मास के पश्चात विदिशा में प्रथम बार आगमन हुआ। मुनिद्वय श्री अरिहंत विहार मंदिर में विराजमान हुए । वही से दिन प्रतिदिन नगर के सभी मंदिरों के दर्शन हेतु गये। इसी श्रृंखला में श्री महावीर दि. जैन मंदिर में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं श्री जी विराजमान होने की प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष्य में दि. 3 दिसम्बर को मुनिद्वय के सानिध्य में 1008 श्री शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन बा.ब्र. श्री अशोक भैयाजी के मार्गदर्शन में भव्यता के साथ संपन्न हुआ। जिसमें श्रावकों ने बढ़चढ़कर सहभागिता कर पुण्य संचय किया।